हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 4 अंक : 45 पृष्ठ: 4 शुक्रवार,मुंबई 06 जून से 12 जून 2025

पाकिस्तान ने स्वीकारा

भारत ने मारा बहुत ज्यादा, बताया कम, 20 नहीं, 28 ठिकानों पर मचाई है तबाही

नई दिल्ली ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान का बड़ा कबूलनामा सामने आया है। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि भारत ने मारा ज्यादा, लेकिन बताया कम। हमले के बाद भारतीय सेना ने बताया था कि पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों और फिर 11 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा पूरी दुनिया में बांटे जा रहे डोजियर में बताया जा रहा है कि भारत ने 20 नहीं, बल्कि 28 जगह तबाही मचाई थी। पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनयान उन मार्सोस पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था। पाकिस्तानी डोजियर के सेटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहरों में भी तबाही का

जिक्र किया गया है। पिछले महीने हवाई हमलों के बाद प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय वायु सेना ने इन स्थानों का नाम नहीं लिया था। पाक के डोजियर में दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पाकिस्तान के अंदर कहीं अधिक गहराई तक और अधिक स्थानों पर हमला किया।

बता दें कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई की रात को पाकिस्तान के बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वारी, भीमबेर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल में आतंकी केंद्रों को निशाना बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी हिस्से में नागरिक क्षेत्रों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। हालांकि भारत ने ये सारे हमले नाकाम कर दिए। इसके बाद भारत ने 10 मई की रात को पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करके जवाब दिया। 11 हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया, जिनमें नूर खान, रफीकी, मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियन, सरगोधा, स्करू, भोलारी और जैकोबाबाद शामिल हैं। यानी भारत ने पाकिस्तान के कुल 20 ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही थी, लेकिन पाकिस्तान अब खुद स्वीकार कर रहा है कि भारत ने 20 नहीं, बल्कि 28 स्थानों पर तबाही मचाई थी। भारी क्षति के कारण पाकिस्तान के पास संघर्ष विराम के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा, जिससे तीन दिनों से जारी तनाव समाप्त हो गया। इसी के साथ पाकिस्तान की यह रिपोर्ट उसके उन सभी दावों को भी खारिज करती है, जिसमें वह कह रहा था कि उसने भारत को नुकसान पहुंचाया है। पाकिस्तानी डोजियर की सेटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहरों में भी तबाही का जिक्र किया गया है। भारत ने हमले वाली जगहों में नहीं किया था। पाकिस्तान के स्वीकारनामे से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत ने वहां बहुत ज्यादा तबाही मचाई है।कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों पर बहुत सोच-समझकर सटीक हमले किए।

ट्रंप के कहने पर पीएम मोदी ने किया सरेंडर, कांग्रेस कभी ऐसा नहीं करती

भोपालः कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश में पार्टी की जमीनी स्तर पर मजबूती और कार्यकताओं में नया जोश भरने के उद्देश्य से शुरू हो रहे अभियान का नेतृत्व किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीजफायर के मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को घेरा।

राहुल गांधी ने कहा कि उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदी जी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और जी हूजूर कर के मोदी जी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। इतिहास गवाह है, यही भाजपा-आरएसएस

का कैरेक्टर है, ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमरीका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां सुपरपावर्स से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं। राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि आपको एक समय याद होगा, जब फोन नहीं आया था, बल्कि सातवीं फ्लीट आई थी, लेकिन इंदिरा जी ने कहा था कि मुझे जो करना है, मैं करूंगी। यह फर्क है। इनका कैरेक्टर है सरेंडर करना, ये सभी ऐसे ही हैं। आजादी के समय से सरेंडर वाली चिी लिखने की आदत है। जरा सा दबाव बना, तो ये लोग सरेंडर कर देते हैं। कांग्रेस पार्टी सरेंडर नहीं होती है। गांधी जी, नेहरू जी, सरदार पटेल, ये सरेंडर वाले नहीं, बल्कि सुपरपावर से लड ` वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि संसद भवन में मैंने देश से वादा किया था कि चाहे कुछ भी हो जाए, जातिगत जनगणना संसद से पारित होगी। हमारे संकल्प ने केंद्र सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। राहुल गांधी ने सत्ताधारी दल पर हमला बोलते हुए कहा कि मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं। इनको थोड़ा सा दबाओ, तो डर कर भाग जाते हैं।

देश में कोरोना के मामले बढ़कर हुए 4302, बीते 24 घंटे में सात मरीजों की मौत

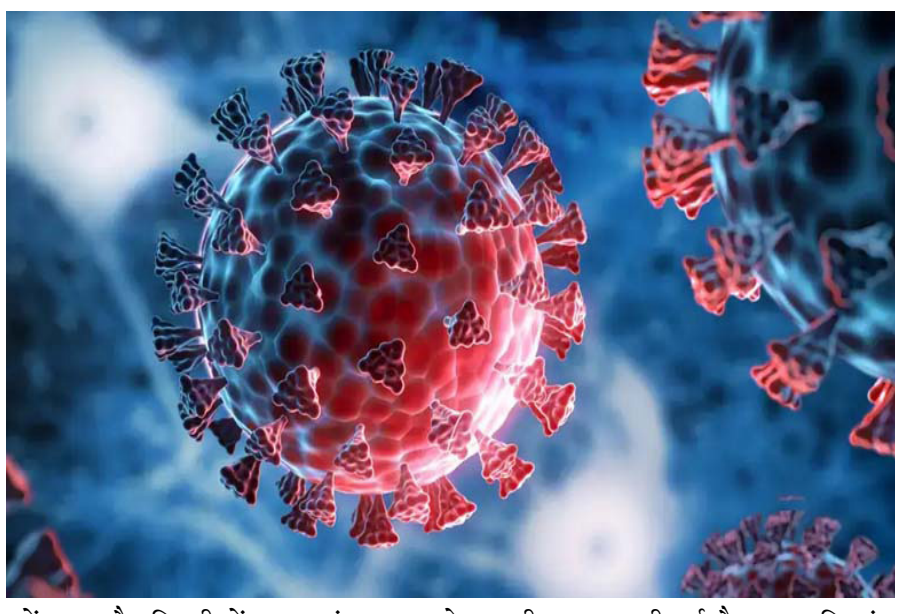

नई दिल्ली। देश में बुधवार सुबह आठ बजे तक कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,302 हो गई है, जबकि मंगलवार को यह संख्या 4,026 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी करके आंकड़ों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण से सात लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में इस कोविड-19 संक्रमण के 300 नये मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस बीच, 3,281 मरीज ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में 60, उत्तर प्रदेश में 63 और दिल्ली में 64 नए मामले सामने आए हैं। एक दिन पहले ही दिल्ली में 47 और केरल में 35 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। अस्पताल में भर्ती होने की दर हालांकि अपेक्षाकृत कम है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को पहली बार सिरमौर जिले के नाहन में नवीनतम उछाल का पहला मामला सामने आया, जो वायरस के क्षेत्रों में निरंतर प्रसार का संकेत देता है। जबकि कई देशों में कोविड-19 के मामलों में फिर से वृद्धि देखी जा रही है। कुल मिलाकर मृत्यु दर कम बनी हुई है तथा अधिकांश संक्रमित व्यक्तियों में हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली और उत्तराखंड की सरकारों ने अस्पतालों से पर्याप्त बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति, दवाइयों और टीकों को सुनिश्चित करके पर्याप्त रूप से तैयार रहने का आग्रह करते हुए

हज यात्रा शुरू, लाखों मुस्लिम पहुंचे, 40 डिग्री तापमान में काबा की परिक्रमा करते दिखे

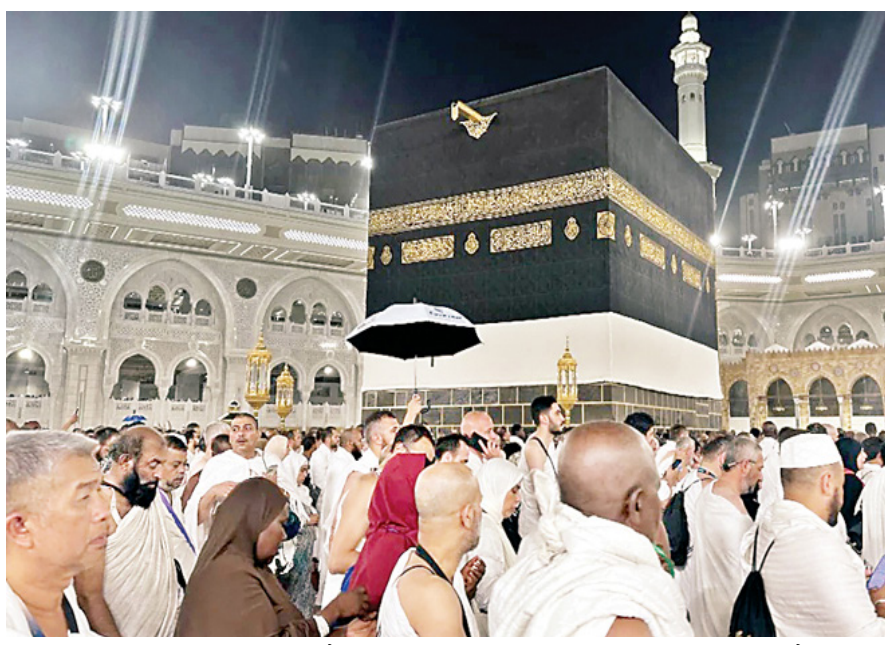

नई दिल्लीः हर साल दुनियाभर के लाखों मुस्लिम तीर्थयात्री इस्लाम के पांच फर्ज में से एक ह्यहजह्ल करने के लिए मक्का जाते हैं, जो इस्लामी कैलेंडर के आखिरी महीने धू अल हिज्जा के आठवें और 12वें दिन के बीच होता है। बुधवार यानी चार जून से हज यात्रा शुरू हो गई। यह यात्रा नौ जून तक चलेगी। बुधवार को हज शुरू होते ही 10 लाख से भी ज्यादा मुस्लिम तीर्थयात्री मक्का पहुंचे और इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए। बड़ी बात यह है कि यह धार्मिक आयोजन ऐसे वक्त में हो रहा है, जब पूरा सऊदी अरब प्रचंड गर्मी की मार झेल रहा है और मक्का का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फॉरेनहाइट) को पार कर चुका है। हज के पहले दिन सफेद लिबास में और नंगे पांव संगमरमर की फर्श पर लाखों मुस्लिम तीर्थयात्रियों को धीरे-धीरे काबा की परिक्रमा करते देखा गया।

काबा इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल माना गया है, जो मक्का की ग्रैंड मस्जिद (मस्जिद अल-हरम) के बीचों बीच काले रंग की एक घनाकार इमारत है। इसे पवित्र बैत अल्लाह (ईश्वर का घर) के रूप में जाना जाता है।

सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने खबर दी है कि अन्य लोग मक्का के बाहरी इलाके में स्थित मीना के विशाल तंबू शहर में पहुंचने लगे हैं, जहां वे गुरुवार को हज के मुख्य पड़ाव झ माउंट अराफात पर प्रार्थना से पहले रात बिताएंगे। ऐसा माना जाता है कि पैगंबर मोहम्मद ने यहीं अपना अंतिम उपदेश दिया था।

गर्मी से हज यात्रियों के बचाव और उनकी सुरक्षा के लिए सऊदी सरकार ने 40 से ज्यादा सरकारी एजेंसियों और 250000 से ज्यादा कर्मचारियों को तैनात किया है।

सऊदी के हज मंत्री तौफीक अल-रबिया ने पिछले सप्ताह बताया था कि छायादार क्षेत्रों को बढ़ाकर 50,000 वर्ग मीटर (12 एकड़) कर दिया गया है। इसके अलावा हजारों अतिरिक्त चिकित्सकों को स्टैंडबाय मोड में तैनात रखा गया है। ग्रैंड मस्जिद के करीब 400 से अधिक कूलिंग यूनिट्स भी लगाई गई हैं, जो वहां ठंडी हवा देंगी और संगमरमर की फर्श को ठंडा करेंगी।

पाक को क्यों दिया पैसा,

बम खरीदने के लिए, एशियाई विकास बैंक की फंडिंग पर भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्लीः दुनियाभर में आतंकवाद फैलाने के लिए कुख्यात पाकिस्तान अब पैसों के लिए दर-दर भटक रहा है। आईएमएफ से पिछले दिनों कर्ज लेने के बाद अब पाकिस्तान को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से बड़ी रकम मिल गई है।

एडीबी ने पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी है। यह राशि राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही है। वहीं, भारत ने इस

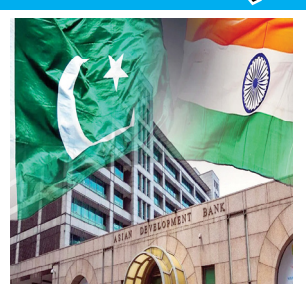

कदम का कड़ा विरोध भी जताया है। भारत का स्पष्ट तौर पर कहा है कि एडीबी के फंड का इस्तेमाल वास्तविक आर्थिक सुधारों या विकास कार्यों में किए जाने के बजाय सैन्य खर्चों में किया जा रहा है। इन पैसों से वह आतंकवादी की फैक्टरी और बम-बारूद का जखीरा ही खड़ा करेगा।

भारत ने अपनी आपत्ति में स्पष्ट तौर पर कहा है कि पाकिस्तान की ओर से विकास सहायता को रक्षा क्षेत्र में डायवर्ट किया जा रहा है। नीति आधारित ऋण और विनिमय योग्य वित्तीय साधनों के माध्यम से यह फंडिंग पाकिस्तान की फौजी प्राथमिकताओं में तबदील हो रही है, जो न केवल एडीबी की नीतियों के खिलाफ है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी खतरा है।

एलन मस्क के पिता और बहन पहुंचे अयोध्या, रामलला के करेंगे दर्शन

अयोध्या। अमरीकी उद्योगपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क बुधवार दोपहर अपने परिवार के साथ श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे। एरोल मस्क दोपहर करीब ढाई बजे महर्षि बाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे जहां उनका स्वागत जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों और हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास ने किया। एरोल मस्क अपनी पुत्री के साथ अपने निजी विमान से अयोध्या आए हैं। एयरपोर्ट से एरोल मस्क का काफिला रामजन्मभूमि की ओर रवाना हो गया। उनके हनुमानगढ़ी भी जाने की संभावना है।पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में एरोल मस्क ने भारतीय संस्कृति की तारीफ की और कहा कि यहां के अध्यात्म दर्शन और दयालु प्रवृत्ति के वह कायल हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि भारत और अमरीका के संबंध निकट भविष्य में और प्रगाढ़ होंगे।

संपादकीय

संपादक - मूर्तुजा मामाजीवाला

इस कोरोना का यथार्थ

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है। अभी तक जो मौतें हुई हैं, वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, निमोनिया, गुर्दे की पुरानी बीमारी, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम आदि पहले से ही मौजूद बीमारियों के कारण हुई हैं, लेकिन चिकित्सकों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कोरोना संक्रमण का असर कितना था? जिन राज्यों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, वे बेहतर संसाधनों और स्वास्थ्य ढांचे वाले राज्य हैं, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि संक्रमण का न्यूनतम विस्तार होना चाहिए। 2020-22 के दौरान भी कोरोना की शुरूआत इसी तरह हुई थी। अंततः 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं। जो मौतें दर्ज नहीं की जा सकीं, उनका आंकड़ा भी काफी होगा! गैर-सरकारी संगठन और एजेंसियां यह संख्या 45-47 लाख मानती हैं। बहरहाल उतनी दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है कि ज्यादातर कोरोना संक्रमण हल्के हैं।उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई, 2025 तक ऐसे कोरोना वायरस को ह्यवेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंगह्ल के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट ह्यमौसमी फ्लूह्ल से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं। यह सही है कि इस संक्रमण के लक्षण हल्के हैं, लेकिन पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी तरह की लापरवाही भारी भी पड़ सकती है। भारत में सिर्फ कोरोना का ही संकट नहीं है, लेकिन एच5एन1, डेंगू, चिकनगुनिआ, निपाह, जीका आदि खतरनाक वायरसों की घर-घर चर्चा है। ये संक्रमण भी फैलते हैं और मौतें भी होती हैं। हमने इनसे सबक सीखे हैं। जन स्वास्थ्य मशीनरी में जहां भी कमजोर कड़ी दिखाई देती है, उसे बेनकाब किया जाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी उज्ज्वल?

जब हम जीडीपी ग्रोथ रेट की बात करते हैं, तो हमें यह सेक्टर-वाइज देखना चाहिए- जैसे कृषि में कितनी वृद्धि हुई, मैन्युफैक्चरिंग में कितना विकास हुआ। इससे यह साफ होता है कि क्या यह आर्थिक प्रगति सभी तक समान रूप से पहुंच रही है या केवल कुछ सीमित क्षेत्रों में ही सिमट कर रह गई है। बेरोजगारी को लेकर हमारा मानना है कि देश में बेरोजगारी उतनी ज्यादा नहीं है। समस्या यह है कि ज्यादातर युवाओं के लिए नौकरी का मतलब सिर्फ सरकारी नौकरी है। अगर नजरिया यही रहेगा, तो फिर नौकरियां सीमित होंगी। 20-25 साल की उम्र से लेकर 30-35 साल तक सरकारी नौकरी का इंतजार ठीक नहीं

ताजा खबरों के अनुसार भारत जापान को पीछे छोडकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है। इसी कड़ी में आरबीआई ने अपनी ताजातरीन रिपोर्ट जारी करते हुए और इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और टैरिफ वॉर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ न सिर्फ खड़ी है बल्कि अप्रैल के महीने में औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गति तेज रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अप्रैल 2025 के पूवार्नुमान का हवाला देते हुए आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी और जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन सकती है। नीतिगत बदलावों की वजह से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। साथ ही रबी फसल की बंपर पैदावार और मॉनसून से सामान्य से अधिक रहने की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोग में इजाफा दिख सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार के बदलने और औद्योगिक नीतियों में बदलाव की वजह से भारत इन देशों के बीच कनेक्टर देश के तौर पर काम कर सकता है, खासकर प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं और फार्मास्युटिकल्स इनमें प्रमुख है। आगे चलकर, भले ही कई गंभीर चुनौतियां नजर आ रही हों, भारत वर्तमान वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है। अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले छह से सात वर्षों में यानी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था का 7 फीसदी या उससे अधिक बढ ा संभव है।

हालांकि, इसने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चार चुनौतियां भी पेश की हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के लिए एआई का खतरा, एनर्जी सिक्योरिटी और आर्थिक विकास के बीच समझौता और स्किल वर्कफोर्स की उपलब्धता शामिल है। सेवा क्षेत्र के रोजगार पर संभावित प्रभाव के कारण एआई का आगमन दुनिया भर की सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह भारत के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि सेवा क्षेत्र भारत की जीडीपी में 50 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान तेज रहेगा और 7 फीसदी या उससे अधिक बढ ` की उम्मीद है। कुछ विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 25 के दौरान भी इसी तरह की विकास गति का अनुमान लगाया है। महिला कार्य बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 फीसदी से बढकर 2022-23 में 37 फीसदी हो गई, जो भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव को दिखाती है। इस बीच शैक्षिक क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सरकार द्वारा दशकीय सुधार किए गए, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में सुधार, श्रम बल बाजार में लैंगिक समानता में सुधार, सरकार द्वारा पूंजीगत खर्च को बढ़ावा, बुनियादी ढांचे के विकास, राजकोषीय संतुलन को बनाए रखना, अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण और जीएसटी सुधार, भुगतान का डिजिटलीकरण, दिवाला और दिवालियापन कोड में सुधार कुछ नीतिगत हस्तक्षेप हैं, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की गति बनाए रखने में मदद की है। हमें निवेश खर्च में वृद्धि, उत्पादकता में सुधार, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार, अधिक नौकरियां पैदा करना और लैंगिक समानता में सुधार, कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, वैश्विक रुझानों का प्रबंधन, महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसरों का निर्माण और शासन में सुधार करना होगा, जिससे अगले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

इस घोषणा के बाद जहां कुछ अर्थशास्त्रियों ने इसकी सराहना की, वहीं कई विशेषज्ञों ने इस दावे पर सवाल भी उठाए। हर बार जब इस तरह के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक्की का असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है? अगर एक परिवार में एक व्यक्ति पांच लाख रुपए कमा रहा है और दूसरे परिवार में चार लोग मिलकर पांच लाख कमा रहे हैं, तो सिर्फ आमदनी देखकर यह कहना कि दोनों बराबर हैं, गलत होगा, क्योंकि एक परिवार में उस राशि से एक व्यक्ति का खर्च चल रहा है, जबकि दूसरे में चार लोगों का। इसी तरह, देशों की तुलना करते समय भी केवल जीडीपी के आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं है। जापान और जर्मनी जैसे देशों की जीडीपी की तुलना भारत से करना उचित नहीं है, क्योंकि भारत की जनसंख्या कहीं ज्यादा है। अगर देश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो उम्मीद की जाती है कि इसका फायदा सभी वर्गों तक पहुंचेगा। लेकिन इसके दो अहम पहलू हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। पहला सवाल यह है कि आर्थिक गतिविधि किस सेक्टर में हो रही है? अगर निर्माण क्षेत्र (कंस्ट्रक्शन) में विकास हो रहा है, तो निर्माण मजदूरों तक इसका सीधा लाभ पहुंच सकता है। लेकिन अगर यह वृद्धि फाइनेंशियल सेक्टर में हो रही है, तो इसका लाभ सीमित लोगों तक ही रहेगा। और वो पहले से ही ठीक वर्ग के लोग हैं। यह समझना जरूरी है कि देश किन क्षेत्रों में निवेश और विकास पर जोर दे रहा है। कौनसे सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं और उनका बाकी अर्थव्यवस्था के साथ कितना गहरा जुड़ाव है। जब हम जीडीपी ग्रोथ रेट की बात करते हैं, तो हमें यह सेक्टर-वाइज देखना चाहिए- जैसे कृषि में कितनी वृद्धि हुई, मैन्युफैक्चरिंग में कितना विकास हुआ। इससे यह साफ होता है कि क्या यह आर्थिक प्रगति सभी तक समान रूप से पहुंच रही है या केवल कुछ सीमित क्षेत्रों में ही सिमट कर रह गई है। बेरोजगारी को लेकर हमारा मानना है कि देश में बेरोजगारी उतनी ज्यादा नहीं है। समस्या यह है कि ज्यादातर युवाओं के लिए नौकरी का मतलब सिर्फ सरकारी नौकरी है। अगर नजरिया यही रहेगा, तो फिर नौकरियां सीमित होंगी और उतनी होनी भी नहीं चाहिए। अगर कोई युवक 20-25 साल की उम्र से लेकर 30-35 साल की उम्र तक सिर्फ सरकारी नौकरी की तैयारी करता रहे और फिर कहे कि वो बेरोजगार है, तो इसमें न आप कुछ कर सकते हैं, न मैं और न ही सरकार।

रक्षा निर्यात में ताकत बनकर उभरेगा

पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ भारत द्वारा छेड़े गए युद्ध के केवल चार दिनों के बाद, हालांकि युद्धविराम ने इस आतंकवादी राष्ट्र को और अधिक नुकसान से बचा लिया है, लेकिन इस छोटी सी अवधि में पाकिस्तान को निश्चित रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। और अगर हम संघर्ष के इन चार दिनों को देखें, तो भारत निश्चित रूप से अपनी रक्षा क्षमताओं, विशेष रूप से स्वदेशी रक्षा उपकरणों को वैश्विक स्तर पर अपने संबंधित श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, ह्यऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय प्रणालियों द्वारा शत्रु की प्रौद्योगिकियों को बेअसर करने के ठोस सबूत भी पेश किए- चीनी पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, तुर्की मूल के यूएवी, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन के टुकड़े बरामद किए गए।ह्ल पीआईबी आगे कहता है, ह्यजिन्हें बरामद किया गया और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चलता है कि पाकिस्तान द्वारा विदेशों से आपूर्ति किए गए उन्नत हथियारों का फायदा उठाने के प्रयासों के बावजूद, भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर बना हुआ है।ह्ल गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढकर 2023-24 में 21083 करोड़ रुपए हो गया, और 2024-25 में यह 23622 करोड़ रुपए हो गया। अगले वर्ष के लिए इसका लक्ष्य 35000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करना है। भारत अब इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन और चिली सहित 85 से अधिक देशों को निर्यात करता है।

भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उपकरणों में शामिल हैं- आकाश- सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जिसे आर्मेनिया जैसे देशों को निर्यात किया गया है और सूडान में प्रदर्शित किया गया। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे फिलीपींस को निर्यात किया जा रहा है और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है (सौदों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं)। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, 155 मिमी आर्टिलरी गन, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, जो उन्नत आर्टिलरी प्रणालियों में भारत की क्षमताओं को उजागर करता है। डोर्नियर-228 विमान, जिसे परिवहन और निगरानी भूमिकाओं के लिए विभिन्न देशों को निर्यात किया गया। हालांकि, इन रक्षा वस्तुओं की विभिन्न देशों में पहले से ही मांग है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद परिदृश्य भारत के रक्षा निर्यात के पक्ष में और भी बदल गया है। भारत अब अधिक रक्षा सामान बेचने की बेहतर स्थिति में है। इस ऑपरेशन ने न केवल भारत की सैन्य साख को बढ़ाया है, बल्कि स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का जीवंत प्रदर्शन भी किया है। कैसा रहा प्रदर्शन? पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता साबित हुई है। आज दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के युद्ध में मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों का समय आ गया है। भारत ने अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया है और नए युग के युद्ध में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को कार्रवाई में प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया है। वास्तव में, हम युद्ध के मैदान में भारत के वर्तमान कार्य को दुनिया में भारत निर्मित हथियारों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रचार अभ्यास कह सकते हैं, क्योंकि हम कह सकते हैं कि वे परीक्षण केवल मैदान में नहीं बल्कि चीन और तुर्की जैसी प्रमुख सैन्य शक्तियों द्वारा समर्थित वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति में सिद्ध हुए हैं। आकाश मिसाइल सिस्टम पर इकोनॉमिक टाइम्स लिखता है कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच, आकाश मिसाइल ने अपनी ह्यअग्नि परीक्षाह्ल पास कर ली है। उल्लेखनीय है कि आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत की स्वदेशी प्रणाली है, जिसने हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है। इस प्रणाली को भारत द्वारा महत्वपूर्ण निवेश के साथ 15 वर्षों में विकसित किया गया है। आकाश ने आने वाले ड्रोन और मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया और भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए युद्ध क्षेत्र में अपनी ताकत साबित की।

उल्लेखनीय है कि आर्मेनिया पहला देश है जिसने 6000 करोड़ रुपए की लागत से 15 आकाश मिसाइल प्रणाली का ऑर्डर दिया था और पहली खेप पिछले साल ही भेजी जा चुकी है। लेकिन संघर्ष के दौरान आकाश ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। इस प्रणाली को डा. एपीजे अब्दुल कलाम के कुशल मार्गदर्शन में विकसित किया गया था, जो भारत के मिसाइल मैन के रूप में लोकप्रिय हैं। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत केवल 500 करोड़ रुपए के मामूली निवेश के साथ इस बेहद प्रभावी मिसाइल रक्षा प्रणाली को विकसित करने में सक्षम रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार आकाश किसी भी दिशा से वास्तविक समय में कई लक्ष्यों को ट्रैक और भेद सकता है। यह 70 किलोमीटर दूर से एक मिसाइल का पता लगा सकता है और इसे 30 किलोमीटर पर नष्ट कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि आकाश और एस-400 ट्रायम्फ सहित भारत की रक्षा प्रणाली अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही। अब जब आकाश मिसाइल प्रणाली की सफलता संदेह से परे साबित हो चुकी है, सीसे में भारत दुनिया भर से भारी मात्रा में ऑर्डर की उम्मीद कर सकता है। अगर हमें सिर्फ 200 मिसाइलों के लिए भी ऑर्डर मिलते हैं तो इससे 30000 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है। ब्रह्मोस : भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान पहली बार युद्ध के मैदान में दिखी, जब इसे 10 मई 2025 को उपयोग में लाया गया। बताया जाता है कि भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान द्वारा भारत के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने के प्रयास के जवाब में पाकिस्तान के अंदर कई रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाया। हालांकि, भारत सरकार या भारतीय सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन संघर्ष अवधि के दौरान ही, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। यह पता चला है कि 12 जून 2001 को इसके सफल परीक्षण के बाद ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पहली बार इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही किया गया था। ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर विकसित किया है और यह दो चरणों वाली मिसाइल है।

पहले चरण में यह ध्वनि की गति से भी अधिक गति से चलती है और फिर मारक हिस्सा अलग होकर दूसरे चरण में यह ध्वनि की गति से तीन गुना अधिक गति से लक्ष्य पर पहुंचता है।

आईपीएल चैंपियन आरसीबी की ग्रैंड सेलिब्रेशन

बंगलुरुः आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने अपनी जीत का ग्रैंड सेलिब्रेशन किया। जैसे ही टीम चमचमाती ट्रॉफी के साथ बंगलुरु एयरपोर्ट पर उतरी, फैंस अपने चहेते क्रिकेटर्स के स्वागत के लिए तैयार थे। विक्ट्री परेड के दौरान लाखों फैंस सडकों पर उतर आए। यह परेड विधानसभा से शुरू होकर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची। जहां विक्ट्री सेरेमनी हुई। यहां कप्तान रजत पाटीदार, विराट कोहली और बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक ने स्टेडियम की गैलरी से फैंस को ट्रॉफी दिखाई। इससे पहले विधानसभा में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने सभी प्लेयर्स को सम्मानित किया। आरसीबी ने एक दिन पहले मंगलवार को आईपीएल में अपना पहला टाइटल जीता था। टीम ने पंजाब किंग्स को छह रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में आईपीएल को 8वां चैंपियन मिला।

बारिश के बीच झूमते रहे फैंस आरसीबी के फैंस अपनी टीम की जीत से इतने खुश थे कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में भीड़ उमड़ गई। यहां तक कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में लगातार हो रही बारिश भी फैंस को सेलिब्रेट करने से रोक नहीं पाई। बारिश में फैंस लगातार नाच रहे थे झूम रहे थे। बारिश के बीच किसी ने अपनी सीट छोड़ी तक नहीं। बंगलुरू में विक्ट्री परेड भी होनी थी, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते उसे कैंसिल कर दिया गया।

जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद डाली और कोहली की आंखें भर आई। मोटेरा की पिच को चूमते हुए कोहली को देखकर उनके प्रशंसक भी खुशी के आंसू रोक नहीं सके होंगे। पंजाब किंग्स पर खिताबी मुकाबले में छह रन की जीत के बाद विराट कोहली काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने मैच के बाद बयान भी दिया। कमेंटेटर मैथ्यू हेडन ने जब विराट से पूछा कि वनडे विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद इस खिताब को वह कहां रखते हैं, कोहली ने कहा, यह भी ऊपर है। मैंने पिछले 18 साल में इस टीम को सब कुछ दिया। इस टीम के साथ ही रहा। मैं टीम के साथ रहा और टीम मेरे साथ। मैने हमेशा इस टीम के साथ जीतने का सपना देखा था। मेरा दिल बंगलुरु में है और आत्मा भी। मैं जब तक आईपीएल खेलूंगा, बंगलुरु के लिए ही खेलूंगा।

खिताबी मुकाबला जीतने के बाद विराट ने पिछले 17 साल की भड़ास निकाली और आलोचकों पर जमकर गरजे। कोहली ने खुलासा किया कि उन्होंने पिछले कई सालों से काफी तनाव झेला है और लोगों से रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के लिए काफी बुराई सुनी है।

इशारों में ही गहरा हो गया विक्रांत मैसी और शनाया कपूर का प्यार

मुंबई। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की आने वाली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का टीज रिलीज हो गया है। टीज में दिखाया गया है कि कैसे दो लोग अचानक मिलते हैं और उनकी कहानी शुरू हो जाती है। बिना ज्यादा बात किए, इशारों और संगीत के जरिए प्यार गहराता है, लेकिन बाद में दूरी भी दिखती है। टीज में डांस और सफरके कुछ सीन इस रिश्ते को और खास बनाते हैं। फिल्म से शनाया अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। विक्रांत एक भावुक किरदार में हैं और शनाया अपनी पहली फिल्म में ही असर छोड़ती हैं। टीज में विशाल मिश्रा का संगीत और खूबसूरत लोकेशन इस लव स्टोरी को और भी खास बनाते हैं। फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है। इसे मानसी बागला और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है। निर्देशक संतोष सिंह हैं। कहानी भी मानसी बागला ने ही लिखी है।

क्रिमिनल जस्टिस 4 की रिकॉर्डतोड़ शुरुआत, OTT इतिहास में बना दिया नया रिकॉर्ड

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की कोर्टरूम ड्रामा सीरीज क्रिमिनल जस्टिसः अ फैमिली मैटर ने ओटीटी इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया है और (ऑरमैक्स के अनुसार) पहले ही दिन 84 लाख व्यूज के साथ हिंदी ओरिजिनल कैटेगरी में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग हासिल की है। जियोहॉटस्टार पर रिलीज के कुछ ही घंटों में यह शो किसी भी हिंदी स्पेशल के लिए सबसे ज्यादा देखे जाने वाला कंटेंट बन गया और इसे एक सांस्कृतिक और डिजिटल घटना के रूप में पहचान मिलबीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और रोहन सिप्पी द्वारा निर्देशित यह सीरीज 29 मई को तीन एपिसोड के साथ शुरू हुई थी।

अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती

मुंबई। टीवी की जानीमानी अभिनेत्री आशी सिंह का कहना है कि शब्बीर अहलूवालिया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती है। सोनी सब का आगामी शो ह्यउफ्फङ्क ये लव है मुश्किलह्ल एक नई सोच और ताजगी से भरी कहानी पेश करता है, जिसमें मुख्य भूमिका आशी सिंह (कैरी शर्मा) और शब्बीर आहलूवालिया (युग सिन्हा) निभा रहे हैं। इन दोनों किरदारों में लगभग 20 साल का उम्र का अंतर है, जिसे यह शो छिपाने की बजाय साहसिकता से अपनाता है। इसे ही अपनी कहानी का मूल तत्व बनाता है। यह सीरीज 9 जून से हर सोमवार से शनिवार, रात 8 बजे प्रसारित होगी और दर्शकों को एक नई, जमीनी और वास्तविक प्रेम कहानी से रूबरू कराएगी। कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह ने कहा कि शब्बीर और मेरी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती। मैंने उन्हें टीवी पर बड़े होते हुए देखा है; वह सिर्फ अपने काम के लिए नहीं, बल्कि हर किरदार को जो गरिमा और गहराई से निभाते हैं, उसके लिए भी मेरी प्रेरणा रहे हैं। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना, वह भी एक लीड एक्टर के रूप में, एक सपना पूरे होने जैसा लगता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपने कॅरियर के इस मुकाम पर मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। वह बेहद विनम्र और जमीन से जुड़े हुए हैं, जिससे सेट पर काम करना बहुत सहज और प्रेरणादायक हो जाता है। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

वेबसीरीज 'राणा नायडू सीजन 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राणा दुग्गुबाती की वेब सीरीज राणा नायडू सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वेबसीरीज राणा नायडू सीजन 2 के ट्रेलर में राणा दग्गुबाती, वेंकटेश, अर्जुन रामपाल और सुरवीन चावला के अलावा कई स्टार्स की झलक देखने को मिली है। ट्रेलर में दमदार सीन्स देखने को मिले हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि राणा एक नए मिशन पर जा रहा है, जिसे वो अपना आखिरी मिशन बता रहा है। वो पत्नी सुरवीन चावला से वादा करता है कि वो नौकरी छोड़ रहा है ट्रेलर एक्सन सीक्वेंस के साथ ड्रामा से भी भरा हुआ है,जहां ताबड़तोड़ फाइट सीन हैं, गोलियों की बौछार हो रही है, रिश्तों में धोखा और बेवफाई की कहानी सामने आ रही है और साथ ही पुराने जख्मों का बदला लेने की तीव्र भावना भी उभर कर सामने आती है। ट्रेलर की शुरूआत सुरवीन चावला और राणा दग्गुबाती के किरदारों के बीच एक तीखे संवाद से होती है।

उद्धव सेना को बर्बाद करने के लिए संजय राउत ही काफी, फडणवीस के करीब मंत्री ने बोला हमला

मुंबईः राज्य के जल संसाधन मंत्री और बीजेपी नेता गिरीश महाजन और उद्धव सेना के मुख्य प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत के बीच वाक युद्ध जारी है। महाजन ने संजय राउत को दलाल बताते हुए कहा है कि उद्धव ठाकरे को बर्बाद करने के लिए किसी विपक्ष की जरूरत नहीं है, बस एक राउत ही काफी हैं। इससे पहले राउत ने कहा था कि जब बीजेपी राज्य में सत्ता से बाहर होगी तो सबसे पहले पार्टी छोड़ने वाले महाजन ही होंगे।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता महाजन को मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस का करीबी माना जाता है, लेकिन राजनीति हलकों में यह चर्चा गरम है कि फडणवीस और महाजन के बीच अब पहले जैसा रिश्ता नहीं रहा। इसका कारण माना जा रहा है कि 2014 में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार एकनाथ खडसे को साइड करने में महाजन की बड़ी भूमिका रही। आज खडसे पार्टी में भी नहीं है।

दोनों के बीच बयानबाजी की शुरूआत महाजन से हुई। नासिक जिले के एक कार्यक्रम में महाजन ने कहा था कि उद्धव सेना खत्म होने की कगार पर है। अगले आठ दिनों में उनके साथ कोई नहीं बचेगा। महाजन का यह बयान सांसद संजय राउत को चुभ गया। राउत ने पलटवार करते हुए कहा कि महाजन सबसे पहले यह तय करें कि क्या पार्टी में उनकी खुद की जमीन बची भी है या नहीं। बीजेपी एक समय पवित्र लोगों की पार्टी हुआ करती थी। आज पार्टी को दलाल, भ्रष्ट लोग और ठेकेदार चला रहे हैं और ये लोग हमारी पार्टी को मिटाने निकले हैं। जिनके पास पुलिस है, पैसा है, वे इन ताकतों का इस्तेमाल कर लोगों को डराकर पार्टी तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए बीजेपी ने जो दलाल नियुक्त किए हैं, गिरीश महाजन उन्हीं में से एक हैं। जिस दिन सत्ता हमारे पास होगी, सबसे पहले दल बदलने वालों में गिरीश महाजन ही होंगे।

राउत ने दावा किया कि राज्य में महाविकास आघाडी की सरकार के दौरान जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे, तब गिरीश महाजन के घोटालों की जांच शुरू हुई थी। उस समय महाजन पार्टी बदलने के लिए भी तैयार थे। तब महाजन की ओर से संदेश भेजे जा रहे थे कि वह राजनीति छोड़ देंगे, शांत बैठेंगे। राउत ने बीजेपी नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग एक नंबर के डरपोक हैं। सभी का वक्त आता है। आज आप जिस भाषा में बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जमींदोज करने की बात कर रहे हैं, आपको शर्म आनी चाहिए। आप कौन थे राजनीति में? हमारे कुछ लोग उनके साथ खड़े होकर फोटो खिंचवा रहे हैं, हम उन पर नजर रखे हुए हैं। महाजन की भाषा उनके ही दल को डुबो देगी।राउत के बयान पर महाजन विफर उठे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राउत ने उद्धव ठाकरे को शरद पवार और कांग्रेस के करीब पहुंचाया, उससे उन्होंने अपनी ही पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान किया है। यदि ठाकरे ने राउत पर लगाम नहीं लगाई, तो पार्टी टूट जाएगी। महाजन ने कहा कि राउत ने जो अपनी पार्टी के साथ किया है वैसा मैं अपनी पार्टी के साथ कभी नहीं कर सकता। मैं ऐसा कोई काम नहीं करूंगा, जिससे पार्टी को किसी प्रकार का नुकसान हो। मैं बीजेपी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हूं। मैंने 20 साल तक विपक्ष में रहकर काम किया है। पाला बदलने के लिए मुझे कई बार प्रस्ताव मिले, लेकिन मैंने कभी पार्टी नहीं छोड़ी।

कोस्टल रोड पर यात्रा नहीं सुरक्षित !ओवरस्पीडिंग से कई हादसे

BMC अब तक नहीं लगा पाई स्पीड डिटेक्शन कैमरे

मुंबई : दक्षिण मुंबई को पश्चिम उपनगर से जोड़ने के लिए बने कोस्टल रोड का पहला हिस्सा 11 मार्च, 2024 और दूसरा हिस्सा 26 जनवरी, 2025 को आवागमन के लिए खोल दिया गया था।

लंबा समय बीत जाने के बाद भी बीएमसी कोस्टल रोड पर स्पीड डिटेक्शन कैमरे नहीं लगा पाई है। बीएमसी ने कोस्टल रोड के 8 स्थानों पर 28 स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन यह अब तक लग नहीं पाए हैं। वहीं ओवर स्पीड के कारण कोस्टल रोड पर अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें एक की मौत भी हो चुकी है। वहीं बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि कोस्टल रोड पर 15 जुलाई तक स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगा दिए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता न होने के कारण कोस्टल रोड पर चोरी की घटना भी सामने आई है, बीएमसी ने पुलिस स्टेशन में चोरी के 6 मामले दर्ज कराए हैं। साथ ही कुछ एरिया में लाइट भी नहीं है। इसकी वजह से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। हरिद्वार में मां की हैवानियत! अपनी नाबालिग बेटी का बॉयफ्रेंड सहित अन्य लोगों से कराया दुष्कर्म, इखढ ने निकाला बाहरट्रैफिक जाम में फंस कर धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाले मुंबईकरों को कोस्टल रोड पर अधिकतम 80 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से गाड़ी चलाने का मौका मिलता है।

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मरीन ड्राइव से वर्ली तक बन रहे 10.58 किमी लंबे कोस्टल रोड पर गाड़ियां 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ़्तार से दौड़ सकें, ऐसा डिजाइन बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर स्पीड की लिमिट 80 किमी प्रति घंटा ही रखी गई है। हर 100 मीटर पर एक कैमरा अधिकारी ने बताया कि गाड़ियों की स्पीड पर नजर रखने के लिए यहां ट्रैफिक मैनेजमेंट कंट्रोल सिस्टम लगाने की योजना है। इसके लिए स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाए जाएंगे। यदि कोई चालक स्पीड ब्रेक करता है तो वह कैमरे में कैद हो जाएगा। उस गाड़ी की जानकारी ट्रैफिक पुलिस को दी जाएगी। उसके बाद ट्रैफिक पुलिस वाहन चालक पर दंड लगाएगी। बीएमसी अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर हर 100 मीटर पर एक सीसीटीवी लगाने की योजना है। यानी वर्ली से मरीन ड्राइव तक 100 सीसीटीवी लगाए जाएंगे। कोस्टल रोड पर सुरक्षा का खतरा पैदा हो गया है। क्योंकि कोस्टल रोड पर लगे बिजली के खंभों से चोर तांबे के तार काट कर उठा ले गए हैं। यह घटना मार्च में सामने आई थी। इसके लिए बीएमसी ने 6 मामले पुलिस स्टेशन में दर्ज कराए हैं।

चोरी की ज्यादातर घटनाएं हाजी अली के पास और वर्ली लवग्रोव नाला के पास हुई हैं। जबसे केबल चोरी हुई है, तब से कोस्टल रोड पर लावग्रोव फ्लाइओवर और हाजी अली फ्लाइओवर के पास शाम 7 बजे के बाद अंधेरा छा जाता है। इसलिए बारिश के दौरान यहां से सफर करना वाहन चालकों के सामने चैलेंजिंग रहेगा। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि यहां लाइट लगाने की योजना बनाई जा रही है। लाइट कब तक लगेगी, इस बारे में कुछ नहीं बताया।

समृद्धि महामार्गः आज खुलेगी महाराष्ट्र की सबसे लंबी ट्विन टनल, इगतपुरी से कसारा 35 नहीं अब महज 5 मिनट में

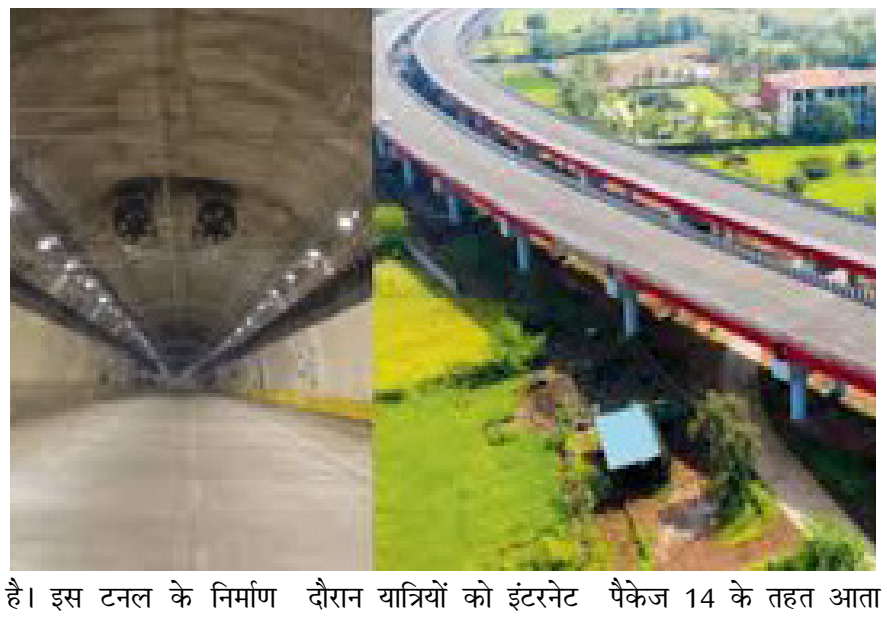

मुंबई : मुंबई से नागपुर के बीच सफर को आसान बनाने के लिए बने समृद्धि महामार्ग के अंतिम फेज का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे। इसमें महाराष्ट्र की सबसे लंबी और देश की सबसे चौड़ी ट्विन टनल का निर्माण पूरा हुआ है। इगतपुरी से ठाणे के बीच 76 किमी के इस अंतिम फेज को गाड़ियों के लिए खोल देने से मुंबई से नागपुर का सफर 7 से 8 घंटे में पूरा हो सकेगा। पहाड़ों को चीरकर देश के सबसे हाईटेक हाइवे के लिए यह रास्ता बनाया गया है। एक पहाड़ से दूसरे पहाड़ के बीच की खाई को पाटने के लिए 20 मंजिला इमारत जितना ऊंचा व्हायडक्ट (ब्रिज)बनाया गया। कुल दो व्हायडक्ट हैं। एक की ऊंचाई 910 मीटर और दूसरे की 1295 मीटर है। इस टनल के निर्माण के दौरान देश में पहली बार हाई प्रेसर वॉटर मिस्ट सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है।

इस तकनीक के तहत अगर टनल में आग लगने का कोई हादसा होता है तो तापमान 60 डिग्री सेल्सियल पहुंचते ही फायर सिस्टम अपने आप काम करने लगेगा। टनल में लगे पाइपों से पानी की बौछार शुरू हो जाएगी। सफर के दौरान यात्रियों को इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए टनल के भीतर लीकी केबल की व्यवस्था की गई है। इससे सिग्नल अच्छा आएगा। दिल्ली में हो रही अहम बैठकें, राजस्थान में मची हलचल, कुछ बड़ा होने वाला है! इगतपुरी महाराष्ट्र के सबसे अधिक बारिश वाले इलाकों में आता है। इस पूरे प्रोजक्ट को 16 पैकेज में बांटा गया था। इनमें यह काम पैकेज 14 के तहत आता है। टनल के पास नदी होने के कारण इसे पूरा करने में बहुत दिक्कतों का सामान करना पड़ा। फकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुसार, बारिश के दौरान काम जारी रखने के लिए साइट के पास एक बांध बनाना पड़ा। भविष्य में भी टनल में पानी नहीं भरे, इसके लिए शुरूआती हिस्से में 200 मीटर तक शेड टनल बनाई गई है।

हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं, महाराष्ट्र में पढ़ाई जाए सिर्फ मराठी और अंग्रेजी, नहीं तो... राज ठाकरे ने दी धमकी

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने बुधवार को राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे से एक खास अपील की। उन्होंने कहा कि वे जल्द से जल्द एक लिखित आदेश जारी करें। इस आदेश में यह साफ लिखा होना चाहिए कि पहली कक्षा से सिर्फ दो भाषाएं, मराठी और अंग्रेजी ही पढ़ाई जाएंगी। हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर अनिवार्य नहीं किया जाएगा।

राज ठाकरे ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें पता चला है कि पहले तीन भाषाएं पढ़ाने के फैसले के आधार पर हिंदी की किताबों की छपाई शुरू हो गई है। अब जब किताबें छप गई हैं, तो क्या सरकार अपने ही फैसले से पीछे हटने की सोच रही है?राज ठाकरे ने आगे कहा, ह्यदेश के कई राज्यों ने पहली कक्षा से सिर्फ दो भाषाएं ही रखी हैं और हिंदी को अनिवार्य करने से मना कर दिया है। इसकी वजह है उनकी भाषाई पहचान। आप (भुसे को संबोधित करते हुए) और आपके कैबिनेट के साथी भी जन्म से मराठी हैं। आप कब दूसरे राज्यों के नेताओं की तरह हिंदी का विरोध करेंगे और अपनी भाषा की पहचान को बचाएंगे? हम उम्मीद करते हैं कि सरकार भी उन राज्यों की तरह अपनी भाषा के लिए मजबूत भावना दिखाएगी पिछले लगभग दो महीनों से महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को पढ़ाने को लेकर कंफ्यूजन बना हुआ है। पहले यह घोषणा की गई थी कि पहली कक्षा से छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें हिंदी तीसरी अनिवार्य भाषा होगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध किया, जिससे लोगों में नाराजगी फैल गई। हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं: राज ठाकरे राज ठाकरे ने कहा कि लोगों का गुस्सा इतना ज्यादा था कि सरकार ने यह घोषणा कर दी कि हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि असल में, हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं है। यह सिर्फ देश के दूसरे राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। इसे सीखना अनिवार्य करने पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा था? यह समझ में नहीं आता कि सरकार किस दबाव में आकर डगमगा रही थी।

मुंबई में चाहे कितनी हो बारिश, नहीं थमेगी पश्चिम रेलवे की रफ़्तार, लोकल ट्रेनों के लिए बना खास प्लान

मुंबईः मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनों को बारिश की चुनौतियों से निपटने के लिए पश्चिम रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। जलभराव, ट्रैक बाधाएं, पेड़ों के गिरने और संचार में रुकावट जैसी समस्याओं से निपटने हेतु इस बार रेलवे ने तकनीकी, भौतिक और प्रशासनिक तीनों स्तरों पर व्यापक उपाय किए हैं।

इसके साथ ही मुंबई सेंट्रल डिवीजन की ओर से एक विशेष मॉनसून प्रिकॉशन बुकलेट तैयार की गई है। इसमें आपदा प्रबंधन, कर्मचारी प्रशिक्षण और यात्री जानकारी से संबंधित सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए कई काम मिशन मोड पर किए गए हैं। इनमें नालों, ड्रेनों और पुलों की सफाई, गाद व कचरे की निकासी, अतिरिक्त जल निकासी मार्गों का निर्माण, उच्च क्षमता के पंपों की स्थापना और पेड़ों की छंटाई जैसे कार्य प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, रेलवे यार्डों और ट्रैक के किनारे जलनिकासी बेहतर बनाने के लिए 58 कलवर्ट और 55 किलोमीटर से अधिक नालों की सफाई की गई है। साथ ही 3 किलोमीटर नए नाले और कई मैनहोल बनाए गए हैं। 104 हाई-कैपेसिटी पंप्स को जलभराव वाले स्थानों पर लगाया गया है।

इनकी पंपिंग क्षमता को इस वर्ष 10% बढ़ाया गया है। गोरेगांव-मालाड, प्रभादेवी-माटुंगा और बोरीवली-वीरार सेक्शन में माइक्रो-टनलिंग के जरिए अतिरिक्त पाइपलाइन निकासी की गई है। 36 स्थानों पर बाढ़ गेज लगाए गए हैं। बाढ़ से ट्रैक की सुरक्षा के लिए वसई-विरार खंड में 4.5 किमी लंबी रिटेनिंग दीवार बनाई गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक - मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 मुद्रित से 47,आर.एन.ए आर्केड, प्रथम तल, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स, अंधेरी पश्चिम, मुंबई-400053 ,मुंबई से प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.in